बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

मासिक प्रतिवेदन

नवंबर, 2023

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

(आपदा प्रबंधन विभाग, बिहार सरकार)

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण

विषय सूची

पेज नं.

(A)	सोनपुर मेले में प्राधिकरण के पेवेलियन का उद्घाटन	03
(B)	घाना गणराज्य के शिष्टमंडल ने प्राधिकरण की गतिविधियों को जाना	05
(C)	एनडीएमए के अपर सचिव ने बीएसडीएमए के कार्यों को सराहा	06
(D)	छठ के अवसर पर दंडाधिकारियों/ पुलिस पदाधिकारियों का उन्मुखीकरण	07
(E)	पत्रकारों ने जाना आपदाओं में सुरक्षित रहने के साथ रिपोर्टिंग करने के गुर	08
(F)	बालासोर दुर्घटना – बिहार के पीड़ितों के राहत व पुनर्वास हेतु प्रयास जारी	11
(G)	समुदाय स्तर पर तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण	13
(H)	भारत विकास विकलांग अस्पताल दिव्यांगों के जीवन में नई रोशनी बिखेर रहा	15
(I)	माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण	17
(J)	आपदाओं से बचाव हेतु जिला स्तर पर तैयार हो रही मॉकड्रिल करनेवाली टीम	18
(K)	पेंडेंट के निर्माण का कार्य प्रगति पर	20
(L)	मदरसों के 117 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण	21
(M)	कम्युनिटी रेडियो के जरिये जागरूकता अभियान	22
(N)	आपदा प्रबंधन में इंटरनेट और सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका	23
(O)	अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम	25
(P)	व्यय विवरणी	26
(Q)	जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग	27

(A) सोनपुर मेले में प्राधिकरण के पेवेलियन का उद्घाटन

विभिन्न स्टॉल पर लोगों को आपदा में सुरक्षित रहने की दी जा रही जानकारी

विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र मेला में 29 नवंबर को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पेवेलियन का उद्घाटन किया गया। सोनपुर के मेला प्रक्षेत्र में इस पेवेलियन का उद्घाटन प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डा. उदय कांत, माननीय सदस्यगण श्री पी.एन. राय, श्री मनीष कुमार वर्मा, श्री कौशल किशोर मिश्र और सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर सारण के एडीएम मो मुमताज आलम, आपदा प्रबंधन पदाधिकारी श्री गंगाकांत ठाकुर और एसडीओ श्री निशांत विवेक भी मौजूद थे।

प्रधिकरण के पेवेलियन में आपदा जागरूकता के कई कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं। नुक्कड़ नाटकों के मंचन व मॉक ड्रिल के अलावा प्राधिकरण के पैवेलियन में लगाए गए विभिन्न स्टॉल पर लोगों को आपदा में सुरक्षित रहने की जानकारी दी जा रही है। बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे पेवेलियन में पहुंचे और आपदाओं से बचाव के तरीके के बारे में जानकारी हासिल की। केशव कन्या मध्य विद्यालय, सोनपुर की बालिकाएं काफी उत्साहित नजर आ रही थीं। बिहार अग्निशमन सेवा, सिविल डिफेंस, एसडीआरएफ कर्मियों ने जागरूकता अभियान में बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। सचिव श्री मीनेंद्र कुमार ने इस मौके पर कहा कि प्राधिकरण मेले में पेवेलियन के माध्यम से बड़े स्तर तक लोगों को जन जागरूकता हेतु हितधारकों के साथ मिलकर

नाटक, मुकरियां, मॉकड्रिल, पपेट शो, बायस्कोप तथा अन्य तरीकों से आपदा से बचाव के लिए जानकारी देने का काम करेगा।

प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री पी. एन. राय ने कहा कि पेवेलियन में विभिन्न स्टॉल पर आने वाले लोगों को बाढ़, भूकंप, वज्रपात, आग आदि संबंधित आपदाओं के बारे में पूर्ण रूप से जागरूक करना हमारा प्रथम कार्य हैं। प्राधिकरण को पिछले दो वर्षों से मेले में प्रथम पुरस्कार मिला है। इसे आगे बनाए रखने की जिम्मेवारी और अधिक बढ़ जाती है। सभी हितधारकों को इसके लिए तत्पर होकर कार्य करना चाहिए। माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदयकांत ने संबोधन में कहा कि प्राधिकरण ने अब तक 2.5 करोड़ बच्चों को आपदाओं के प्रति जागरूक किया है। भूकंप से बचाव के लिए 20,000 से अधिक राजमिस्त्रियों को प्रशिक्षण देने के साथ ही 10,000 से अधिक सामुदायिक स्वयंसेवक प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित किए जा चुके हैं। प्राधिकरण के द्वारा आपदा सुरक्षा/शमन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को जानने घाना गणराज्य के प्रतिनिधि आए हुए थे। विदेशी राष्ट्रों की दिलचस्पी हमारे कार्यों के बारे में होना, हमारी जिम्मेदारियों को और अधिक बढ़ा देता है। प्राधिकरण मदरसों के बच्चो को ट्रेनिंग, दिव्यांगजनों की ट्रेनिंग के साथ आपदा से बचाव हेतु आईआईटी–पटना, आईआईएससी–बेंगलुरू, एनआईटी–पटना, टीआईएसएस–मुंबई, आईआईपीएच–गांधीनगर आदि संस्थानों के साथ समझौते (एमओयू) करके आपदा बचाव क्षेत्र में नवोन्मेषी कार्य कर रहा है। सोनपुर मेले–2023 में आने वाले सभी महानुभावों को विभिन्न आपदाओं के प्रति जागरूक करना प्राधिकरण की प्राथमिकता है।

(B) घाना गणराज्य के शिष्टमंडल ने प्राधिकरण की गतिविधियों को जाना

दिनांक 16 नवंबर, 2023 को घाना गणराज्य के प्रतिनिधियों का बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सरदार पटेल भवन, पटना स्थित दफ्तर में आना हुआ। आपदा न्यूनीकरण एवं प्रबंधन के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों को जानने तथा आपसी समझ विकसित करने के उद्देश्य से घाना गणराज्य की संचार और डिजिटलीकरण की उप मंत्री माननीय अमा पोमा टैंग के साथ संचार प्रौद्योगिकी के निदेशक सहित कुल 18 प्रतिनिधि प्राधिकरण के सभाकक्ष में मौजूद रहे। प्राधिकरण की तरफ से माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत, माननीय सदस्य श्री पारसनाथ राय, श्री मनीष कुमार वर्मा तथा श्री कौशल किशोर मिश्र के साथ प्राधिकरण के वरिष्ठ सलाहकार, पदाधिकारीगण उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत सचिव श्री मीनेन्द्र कुमार ने किया। घाना गणराज्य में आपदा से बचाव के तरीके की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से श्री सीजी सजी के द्वारा दिया गया। वहीं प्राधिकरण की गतिविधियों एवं जनजागरूकता के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से माननीय उपाध्यक्ष ने दी। मुख्यमंत्री स्कूल सुरक्षा कार्यक्रम, सुरक्षित तैराकी कार्यक्रम, सामुदायिक स्वयंसेवक प्रशिक्षण कार्यक्रम, दिव्यांग सुरक्षा कार्यक्रम तथा आपदा पूर्व चेतावनी देने वाले टूल निर्माण सहित प्रमुख गतिविधियों की जानकारी पाकर घाना के प्रतिनिधि काफी उत्साहित और प्रसन्नचित दिखे। प्राधिकरण के उपाध्यक्ष एवं घाना गणराज्य की संचार और डिजिटलीकरण की उप मंत्री के बीच भविष्य में आपदाओं से बचाव संबंधित आपसी समझ को विस्तार देकर आपसी सहयोग बढ़ाने को लेकर चर्चा हुई। माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र द्वारा प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह प्रदान करने के पश्चात बैठक की समाप्ति हुई।

(C) एनडीएमए के अपर सचिव ने बीएसडीएमए के कार्यों को सराहा

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), नई दिल्ली में तैनात अपर सचिव श्री आलोक (भा.प्र. से.) दिनांक 17 से 20 नवम्बर, 2023 के दौरान बिहार के दौरे पर थे। इस अवधि में उन्होंने बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (बीएसडीएमए) के कार्यालय एवं पटना के छठ पूजा घाटों का भ्रमण किया। दिनांक 17.11.2023 को माननीय उपाध्यक्ष, बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की अध्यक्षता में विभिन्न विभागों के साथ एक बैठक प्राधिकरण के सरदार पटेल भवन स्थित सभागार में आयोजित की गई।

इस मौके पर श्री आलोक ने कहा कि बिहार में प्राधिकरण का बहुत ही मजबूत और प्रभावी तंत्र है। इसकी गतिविधियों को देखकर, जानकर बहुत ही अच्छा लगा। उन्होंने कहा कि हमारे पास पैसे की कोई कमी नहीं है। दिक्कत बस यही है कि अच्छे प्रोजेक्ट नहीं आ रहे हैं। बिहार सहित कई राज्यों में आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में बेहतर कार्य हो रहा है। हम कहीं कोई व्यवधान या हस्तक्षेप नहीं करना चाहते। हमारी भूमिका यही होती है कि आपके यहां कुछ बेहतर कार्य हो रहा है, तो उसकी जानकारी दूसरे राज्यों तक भी पहुंचा दी जाए ताकि उसका लाभ वहां के लोगों को भी मिल सके। उन्होंने एनडीएमए की ओर से बिहार को हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में उपस्थित विभागों के पदाधिकारियों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण के संबंध में प्रस्ताव भेजने का सुझााव दिया गया। साथ ही प्राधिकरण के विभिन्न प्रभागों के नोडल पदाधिकारियों को निदेश दिया गया कि राज्य के विद्यालयों में सुरक्षित तैराकी प्रशिक्षण हेतु तरणताल के निर्माण, विद्यालयों में AR, VR तकनीक से प्रशिक्षण की व्यवस्था करने, विभिन्न जिलों में भूकम्प सुरक्षा क्लीनिक की स्थापना एवं 3D, AR, VR के माध्यम से आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर प्रस्ताव तैयार किया जाय।

दिनांक 18 नवंबर को अपर सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के द्वारा पटना जिले में छठ पूजा घाटों (दीघा घाट से भद्र घाट तक) का अवलोकन किया गया।

(D) छठ के अवसर पर दंडाधिकारियों/ पुलिस पदाधिकारियों का उन्मुखीकरण

छठ पर्व–2023 की तैयारियों के मद्देनजर जिला प्रशासन, पटना के तत्वावधान में दिनांक 16 नवम्बर, 2023 को श्री कृष्ण मेमोरियल हॉल में एक संयुक्त ब्रीफिंग कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की ओर से घाटों पर सम्पूर्ण व्यसस्था एवं अन्य आवश्यक तैयारियों के संबंध में दंडाधिकारियों/ पुलिस पदाधिकारियों तथा छठ पूजा समिति के सदस्यों के उन्मुखीकरण हेतु प्राधिकरण के द्वारा आवश्यक सुझावों को समाहित करते हुए प्रस्तुतीकरण दिया गया।

(E) पत्रकारों ने जाना आपदाओं में सुरक्षित रहने के साथ रिपोर्टिंग करने के गुर

ज्ञान भवन में आयोजित कार्यशाला में 60 से ज्यादा पत्रकारों ने हिस्सा लिया

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में दिनांक 28 नवंबर को आपदा पूर्व तैयारी व प्रबंधन विषय पर मीडियाकर्मियों की एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन ज्ञान भवन, गांधी मैदान, पटना में किया गया। विभिन्न मीडिया संगठनों के प्रतिनिधि इस कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के इंस्ट्रक्टर द्वारा भूकंप तथा आग जैसी आपदा से बचने हेतु मॉकड्रिल का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पत्रकार पुष्यमित्र ने बाढ़ आपदा में मीडियाकर्मियों का दायित्व क्या है? इस विषय पर चर्चा की। उन्होंने कहा मीडियाकर्मी बाढ़ से पूर्व सरकार द्वारा की जा रही तैयारी की रिपोर्टिंग करें तो आपदाओं में होनेवाले नुकसान को बहुत कम किया जा सकता है। डॉ. मनीषा प्रकाश, सहायक प्राध्यापक, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, पटना ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में अपनी बात रखते हुए कहा कि आपदा सापेक्ष गलत और भ्रामक जानकारी के प्रति पत्रकारों को सजग रहना होगा। उन्होंने मीडिया कन्वर्जेंस को व्याख्यायित करते हुए कहा कि भौगोलिकीकरण के युग में फेक न्यूज से बचकर आपदा सापेक्ष जन जागरूकता पर कार्य करना चाहिए। आईआईटी, पटना के कंप्यूटर विभाग के अध्यक्ष श्री राजीव कुमार मिश्रा ने प्राधिकरण के सहयोग से नव तकनीक के माध्यम से निर्माण किए जा रहे आपदा पूर्व सूचना देने वाली डिवाइस के बारे में जानकारी मीडियाकर्मियों से साझा की।

इस अवसर पर प्राधिकरण के माननीय सदस्य श्री मनीष कुमार वर्मा ने प्राकृतिक आपदा को हेजार्ड की संज्ञा दी तथा कहा कि जब यह आपदा सघन आबादी को प्रभावित कर ले तब यह डिजास्टर की श्रेणी में आ जाती है इसलिए यह जरूरी है कि समाज को जागरूक बनाया जाए। माननीय मुख्यमंत्री जी आपदा

बचाव के हर एक एस्पेक्ट्स की मॉनिटरिंग करते हैं। प्राधिकरण द्वारा आपदा बचाव हेतु सभी दिशाओं में काम किया जा रहा है, जो भी इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार हो रहे हैं उसे रिजिलिएंट बनाने पर खास ध्यान दिया जा रहा है। प्राधिकरण जलवायु परिवर्तन से आने वाली आपदा से निपटने के लिए पूर्व से ही जल जीवन हरियाली योजना के माध्यम से इस दिशा में कार्य कर रहा है। माननीय सदस्य श्री पी एन राय ने कहा कि मीडिया का प्रमुख दायित्व है कि समाज में आपदा बचाव से तरीकों के प्रति जन जागरूकता करें। सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों को समाज तक मीडिया ही पहुंचा सकता है। उन्होने समाज को आपदा के प्रति जागरूक बनाने में प्राधिकरण की मुहिम में साथ आने के लिए मीडिया से अपील की। माननीय सदस्य श्री कौशल किशोर मिश्र भी कार्यशाला में मौजूद रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत ने मीडियाकर्मियों को स्वस्थ जीवन जीने तथा मानसिक तनाव को कम करते हुए वर्तमान में जीने के लिए उत्साहित किया तथा कार्य स्थल पर तनाव को कैसे कम किया जा सकता है, इस संदर्भ में जानकारी साझा की। उन्होंने तनावमुक्त रहने हेतु माता–पिता परिवार सहित जीवन में मिले सभी व्यक्तियों को शुक्रिया अदा करने के लिए सभी के साथ योग अभ्यास किया। मीडियाकर्मियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम मीडियाकर्मियों को आपदा से सुरक्षित रखने तथा उन्हें कार्य स्थल पर होने वाली आपदा से सचेत करने की

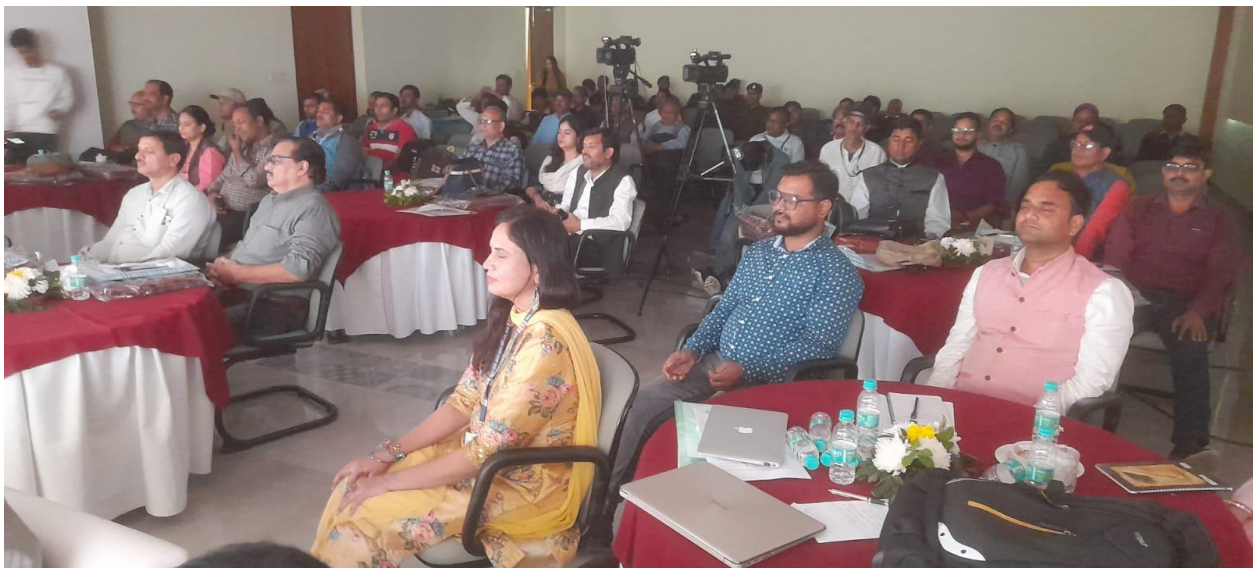

परिप्रेक्ष्य में रखा गया है। यह कार्यक्रम एक तरह से जन जागरूकता के सापेक्ष आपदा से किस तरह से बचा जा सकता है, उसके लिए महत्वपूर्ण है।

कार्यक्रम का स्वागत वक्तव्य सचिव श्री मीनेन्द्र कुमार (भा.प्र.से.) के द्वारा किया गया। उन्होंने प्राधिकरण द्वारा अपने हितधारकों के साथ आपदा से बचाव हेतु किए जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी मीडियाकर्मियों से साझा की। धन्यवाद ज्ञापन श्री संदीप कमल ने किया।

कार्यशाला की खास बातें :

- आपदाओं के दौरान मीडियाकर्मियों की खुद की सुरक्षा, सतर्कता और रिपोर्टिंग के दौरान बरती जानेवाली सावधानियों पर चर्चा
  - एसडीआरएफ के प्रशिक्षित इंस्ट्रक्टर ने प्रतिभागियों के बीच मॉकड्रिल कराई।
  - राजधानी स्थित रूबन अस्पताल के कुशल चिकित्सकों और पारामेडिक्स की टीम ने प्रतिभागी पत्रकारों के प्राथमिक स्वास्थ्य जांच की और आवश्यक सुझाव दिए।
  - आईआईटी के विशेषज्ञ ने आपदा प्रबंधन में नवीनतम टेक्नोलॉजी के बारे में चर्चा की।
  - तनावरहित जीवन जीने के गुर बताए गए।
  - पटना के विभिन्न मीडिया संस्थानों के करीब 60 पत्रकारों ने कार्यशाला में शिरकत की।
  - राज्य के बाढ़ प्रवण जिलों में धरातल पर काम कर रहे पत्रकारों की भी इसमें हिस्सेदारी रही।
  - प्रतिभागी पत्रकारों ने दिल खोलकर प्राधिकरण की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का स्वागत किया।

(F) बालासोर दुर्घटना – बिहार के पीड़ितों के राहत व पुनर्वास हेतु प्रयास जारी

बालासोर ट्रेन दुर्घटना ने देश और कई राज्यों विशेषकर बिहार को प्रभावित किया। माननीय उपाध्यक्ष के नेतृत्व एवं माननीय सदस्यों के मार्गदर्शन में बिहार ने स्वयंसेवी संस्थाओं के सहयोग से पीड़ितों के पुनर्वास हेतु उलेखनीय कार्य कर एक मिसाल कायम किया है। प्रोजेक्ट विश्वास के तहत दीर्घकालीन पुनर्वास योजना पर रिलायंस फाउंडेशन एवं जीविका प्राधिकरण के साथ कंधे से कंधा मिला कर कार्य कर रहा है। जीविका एवं टाटा इंस्टिट्यूट ऑफ सोशल सायंसेज (टीआईएसएस) ने विस्तृत सर्वेक्षण कर पीड़ित निम्न परिवारों एवं लाभुकों को चिन्हित किया है जिन्हें पुनर्वास लाभ दिया जाना है :

1. मृत पीड़ित परिवार, जिन्हें रिलायंस फाउंडेशन द्वारा नौकरी, कौशल विकास में सहयोग, पशुधन सहयोग किया जाना है – 60
2. घायल पीड़ित परिवार, जिन्हें रिलायंस फाउंडेशन द्वारा कौशल विकास में सहयोग, पशुधन सहयोग किया जाना है – 31
3. मृत पीड़ित परिवार, जिन्हें जीविका द्वारा उनकी योजनाओं से आच्छादित कर जीविकोपार्जन का सहयोग किया जाना है – 59
4. घायल पीड़ित परिवार, जिन्हें जीविका द्वारा उनकी योजनाओं से आच्छादित कर जीविकोपार्जन का सहयोग किया जाना है – 48

उपरोक्त सूची जीविका के सीईओ एवं रिलायंस फाउंडेशन को भेज दी गयी है एवं उनके साथ लगातार समन्वय कर इस कार्य को धरातल पर उतरने का प्रयास चल रहा है। रिलायंस फाउंडेशन ने सूचित किया है कि सूची के आधार पर 33 परिवारों को पशुधन सहायता, 41 पीड़ितों को कौशल प्रशिक्षण एवं सहयोग 39 परिवारों को नौकरी से जोड़ने का कार्य चल रहा है। पहले पशुधन सहयोग का कार्य किया जायेगा, जिसके लिए MooFarm नाम की कम्पनी का चयन किया गया है।

जमुई के पीडित (मृतक), सुखदेव यादव के परिजनों को रेलवे द्वारा दी गयी राहत राशि के भुगतान पर रोक लगा दी गयी थी। रेल अधिकारियों के साथ आवश्यक समन्वय स्थापित कर, पुनः सर्वेक्षण कराया गया और अंततः रेलवे द्वारा उनके भुवनेश्वर कार्यालय में इस लंबित राशि का 30 अक्टूबर, 2023 को मृतक की पत्नी संजू देवी को भुगतान कर दिया गया। तत्पश्चात रलवे से समन्वय कर रेल दावा ट्रिब्यूनल, पटना में उनका दावा आवेदन भी जमा किया जा चुका है।

बालासोर हादसे के दो अन्य पीड़ितों की विशेष समस्या है, इसके समाधान हेतु भी प्रयास किये जा रहे हैं :

1. बजरंगी ठाकुर, ग्राम : भितिवा, ब्लाक : कटोरिया, जिला–बांका, उम्र 20 वर्ष, गंभीर घायल, एम्स, भुवनेश्वर में शुरू से ही इलाज, बायां पैर को काटना पड़ा, अब ठीक होकर वापस, कृत्रिम पैर भी हॉस्पिटल द्वारा ही दिया गया। रेल अधिकारी के साथ उनका समन्वय कराया गया ताकि वे रेलवे क्लेम ट्रिब्यूनल, पटना में अपना दावा कर सकें।
2. मो. नासरुल्ला , ग्राम : चिल्मिल, बेगूसराय, उम्र 19 वर्ष, गंभीर रूप से घायल, स्पाइनल इन्जुरी, सभी दस्तावेज के बावजूद रेलवे से अभी तक 02 लाख की राशि नहीं मिली है, बिहार सरकार से 50 हजार की राशि का भुगतान हो चुका है। रेलवे, भुवनेश्वर के अधिकारियों से संपर्क किया गया। पीड़ित अपने समस्त दस्तावेज के साथ रेलवे को आवेदन दे रहे हैं।

सामाजिक सुरक्षा निदेशालय की ओर से जिले में तैनात अपने सभी पदाधिकारियों के माध्यम से सरकार द्वारा चलायी जा रही सभी सुरक्षा की योजनाओं से पीड़ित परिवारों को आच्छादित करने का कार्य किया गया ताकि सरकारी योजनाओं का पीड़ित परिवारों को लाभ मिल सके। सामाजिक सुरक्षा निदेशालय द्वारा निम्न 115 लाभुकों को सहायता एवं पुनर्वास में सहयोग किया गया :

1. इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय विधवा पेंशन योजना : 09
2. लक्ष्मीबाई सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजना : 28
3. मुख्यमंत्री वृद्धजन पेंशन योजना : 07
4. कबीर अंत्येष्टि अनुदान योजना : 38
5. राष्ट्रीय परिवार लाभ योजना : 31
6. बिहार निःशक्तता पेंशन योजना : 02

प्राधिकरण इस प्रयास के माध्यम से अपकेंद्रीय आपदा (सेंट्रीफ्यूगल डिजास्टर) की स्थिति में एक मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) एवं फ्रेमवर्क तैयार करने का प्रयास कर रहा है।

डीआरआर रोडमैप अद्यतीकरण

यूनिसेफ की ओर से डिजास्टर रिस्क रिडक्शन (डीआरआर) रोडमैप के अद्यतीकरण का कार्य प्रगति पर है। सभी चैप्टर्स का पहला ड्राफ्ट तैयार कर लिया गया। चौप्टर 06 का प्रस्तुतिकरण माननीय उपाध्यक्ष (ऑनलाइन मोड में) एवं माननीय सदस्यों को दूसरी बार 02 नवम्बर, 2023 को यूनिसेफ की सुश्री वंदना द्वारा किया गया। संशोधन हेतु अनेक सुझाव दिए गए औरे अंत में इस चैप्टर को अंतिम रूप से माननीय के अवलोकनार्थ प्रस्तुत किया जा चुका है। साथ ही शिक्षा विभाग की पुस्तिका का प्रारूप भी तैयार हो चुका है। इसे अंतिम रूप दिए जाने के बाद अन्य विभागों की पुस्तिकाएं तैयार की जाएंगी। तत्पश्चात सम्बंधित विभागों के साथ उन्मुखीकरण कार्यशाला की जानी है। साथ ही इसका हिंदी अनुवाद भी तैयार किया जाना है।

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण एवं कोल्ड एक्शन प्लान

हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण एवं कोल्ड एक्शन प्लान बनाने के लिए इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ (आईआईपीएच), गांधीनगर के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया गया। इसे बनाने के लिए योजना विभाग एवं बिहार मौसम सेवा केंद्र से विशेष सहयोग का निर्णय हुआ। सभी सम्बंधित विभागों एवं हितधारकों के साथ एक कंसल्टेटिव कार्यशाला का भी निर्णय हुआ, जिसे पटना में 08 दिसम्बर, 2023 को आयोजित किया जाना है। इस हेतु समस्त तैयारियां चल रही हैं। हीट एक्शन प्लान अद्यतीकरण एवं कोल्ड एक्शन प्लान का कार्य 31 मार्च, 2024 तक पूरा हो जाना है।

जलवायु परिवर्तन से सम्बंधित कार्य :

इस सम्बन्ध में कार्य योजना बनाई गयी। इसपर विस्तार से चर्चा हुई, तदुपरांत निर्णय हुआ कि सम्बंधित विभागों के साथ मिलकर जीरो कार्बन हेतु नीति बनाये जाने पर कार्य किया जाये। हाइड्रोजन एनर्जी पालिसी एवं ईवी पालिसी पर कार्य शुरू किये जाने की आवश्यकता है।

आपदा प्रबंधन में एआर, वीआर और 3डी मॉडल :

आपदा प्रबंधन में एआर, वीआर और 3डी मॉडल पर एक कांसेप्ट नोट तैयार किया गया जिसे आगे बढ.ाने पर सहमति बनी। आपदा प्रबंधन में तैयारी, प्रतिक्रिया, शमन, जागरूकता एवं क्षमता निर्माण इन मॉडल्स के माध्यम से प्राधिकरण का क्षमतावर्धन किया जा सकता है। इस कार्य हेतु एक कंसलटेंट नियोजित करने का निर्णय हुआ है।

(G) समुदाय स्तर पर तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के सौजन्य से जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरणों द्वारा समुदाय स्तर चिह्नित प्रशिक्षण स्थलों पर 6–18 आयु वर्ग के बालक –बालिकाओं का प्रशिक्षण प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स के सहयोग से किया जाता है। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, नालंदा, शेखपुरा, जहानाबाद, जमुई, बांका, कैमुर, रोहतास, गया, नवादा, अरवल एवं औरंगाबाद के द्वारा उक्त कार्यक्रम के अंतर्गत बालक –बालिकाओं का 12 दिवसीय तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल विकास के प्रशिक्षण को सम्पन्न करवाया गया। यह प्रशिक्षण उल्लिखित जिलों के चिन्हित प्रखंडों के अंतर्गत चयनित घाटों पर बनाए गए अस्थायी तरणताल में प्रदान किया जाता है। नवम्बर माह 2023 में समुदाय स्तर सम्पन्न हुए प्रशिक्षण का विवरण निम्नलिखित है :–

क्र0 सं0	जिला	प्रखण्ड/साइट	प्रशिक्षण की तिथि (नवम्बर माह 2023)	कुल बैचों की संख्या	प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालकों/बालिकाओं एवं छात्र, छात्राओं की संख्या)
1.	नालंदा	बिहारशरीफ, बेन, अस्थावॉ, रहुई, बिन्द, हिलसा, एकंगरसराय, हरनौत, करायपरसुराय, गिरियक, सरमेरा	31.10.2023 से 11.11.2023	22	660
2.	औरंगाबाद	गोह	06.11. 2023 से 17.11.2023	10	290
		औरंगाबाद सदर	27.10. 2023 से 09.11. 2023		
		उपहारा	06.11. 2023 से 17.11. 2023		
		दाउदनगर	21.11. 2023 से 02.12. 2023		
3.	रोहतास	डिहरी	04.11.2023 से 16.11.2023	06	180
		सासाराम	01.11.2023 से 12.11. 2023		
		विक्रमगंज	04.11.2023 से 16.11. 2023		
4.	कैमूर	भभुआ रामगढ़ चांद	28.10.2023 to 08.11.2023	06	180
5.	शेखपुरा	घाटकुसुंबा सेखोपरसुराय शेखपुरा	20.10.2023 से 04.11.2023 05.11.2023से 23.11.2023 22.10.2023 से 05.11.2023, 06.11.2023 से 23.11.2023 20.10.2023 से 01.11.2023, 02.11.2023 से 14.11.2023	12	360
6.	जहानाबाद	काको हुलासगंज	27.10.2023 से 07.11.2023,	12	360

		मखदुमपुर	10.11.2023 से 21.11.2023		
7.	जमुई	चकाई बरहट खैरा सोनो	27.10.2023 से 07.11.2023, 08.11.2023 से 19.11.2023	16	480
8.	अरवल	अरवल करपी कुर्था	25.10.2023 से 05.11.2023, 06.11.2023 से 18.11.2023 24.10.2023 से 04.11.2023, 05.11.2023 से 17.11.2023	12	360
9.	गया	मानपुर बोधगया	28.10.2023 – 08.11.2023, 09.11.2023 - 20.11.2023	32	960
10.	नवादा	वारसलीगंज हिसुआ	08-11-2023 से 19-11-2023	4	120
11.	बांका	बांका बाराहट	06.11.2023 से 18.11.2023 21.11.2023 से 02.12.2023	8	240
कुल				**140**	**4190**

उल्लिखित जिलों के विभिन्न प्रखंडों में चिह्नित साइट्स पर अक्टूबर माह 2023 तक कुल 11,384 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। नवम्बर माह 2023 में कुल 11 जिलों के विभिन्न प्रखंडों में चिह्नित साइट्स पर कुल 4190 बालकों को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस प्रकार अभी तक कुल 11,384 +4190= 15,574 बालक/बालिकाओं को तैराकी एवं जीवन रक्षा कौशल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है।

(H) भारत विकास विकलांग अस्पताल दिव्यांगों के जीवन में नई रोशनी बिखेर रहा

प्राधिकरण की टीम ने विकलांग अस्पताल का दौरा किया

न त्वहं कामये राज्यं न स्वर्गम् न पुनर्भवम्! कामये दुःख तप्तानां प्राणिनां आर्तिनाशनम!
(मुझे राज्य की चाह नहीं है, मुझे स्वर्ग या मोक्ष भी नहीं चाहिए। सिर्फ इतनी ही इच्छा है कि दुःख से पीड़ित लोगों के दुःख दूर करने का सामर्थ्य मुझे प्राप्त हो।)

माननीय उपाध्यक्ष के निदेश पर बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के एक दल ने दिनांक 4 नवंबर, 2023 को पहाड़ी, पटना स्थित भारत विकास एवं संजय आनंद विकलांग अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर का दौरा कर संस्था द्वारा किए जा रहे कार्यों को देखा। भारत विकास विकलांग न्यास के बैनर तले संचालित यह अस्पताल दिव्यांगजनों को मुफ्त चिकित्सा सुविधा के साथ–साथ कृत्रिम अंग व उपकरण भी उपलब्ध करा रहा है। उपरोक्त श्लोक (सूत्र वाक्य) न्यास के ध्येय को बखूबी परिभाषित करता है। गौरतलब है कि दिव्यांग समायोजित आपदा जोखिम न्यूनीकरण कार्यक्रम प्राधिकरण का एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है। आपदा की घड़ी में दिव्यांगों को महफूज रखना इसका उद्देश्य है। अस्पताल में अगले माह की तीन तारीख को (03 दिसंबर) विश्व दिव्यांग दिवस के मौके पर प्राधिकरण की ओर से वहां के समस्त कर्मियों, इलाजरत मरीजों और उनके परिजनों के लिए मॉकड्रिल का आयोजन किया जाएगा। इसमें राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) के विशेषज्ञों द्वारा आपदाओं से बचाव के तौर तरीकों की जानकारी दी जाएगी। प्राथमिक चिकित्सा का प्रशिक्षण दिया जाएगा।

भारत विकास न्यास के अध्यक्ष श्री देशबंधु गुप्ता, मैनेजिंग ट्रस्टी श्री विवेक माथुर और महासचिव पद्मश्री श्री विमल कुमार जैन ने प्राधिकरण के दल का स्वागत किया। श्री जैन ने स्वयं अस्पताल की एक–एक सुविधाओं के बारे में जानकारी दी। यहां भर्ती करीब सभी 40 मरीजों से मिलवाया, उनके परिजनों से बात करवाई। घंटों अस्पताल का भ्रमण करवाया और संस्था के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अमेरिका में रहने वाले 25 वर्षीय युवा संजय आनंद की याद में उनके परिजनों ने यह अस्पताल स्थापित किया है। अमेरिका में एक सड़क हादसे में संजय की मृत्यु के बाद उनके ब्रेन डेड घोषित उनके

शरीर के विभिन्न अंगों का प्रत्यारोपण कर 250 से ज्यादा लोगों को नया जीवन दिया गया। उनके परिजनों ने यह अस्पताल स्थापित किया। यहां हर महीने एक दिन ऑपरेशन का बड़ा शिविन लगाया जाता है। इसमें हर तरह के ऑपरेशन किए जाते हैं। हड्डियों और खासकन हाथ– पैर से जुड़े विकारों के मरीज यहां बड़ी संख्या में नजर आए।

यह संस्थान वर्ष–1999 से पटना के कंकड़बाग में कार्य कर रहा था। वर्ष 2006 से यह मौजूदा जगह पहाड़ी, पटना–गया रोड पर संचालित होने लगा। यहां सप्ताह में दो दिन ओपीडी होता है। अधिकतर डॉक्टर यहां मुफ्त में अपनी सेवाएं देते हैं या बहुत मामूली मानदेय पर काम करते हैं। रूपये 50,000 से लेकर दो लाख रूपये तक की कीमत के कृत्रिम अंग इन मरीजों को निःशुल्क प्रदान किए जाते हैं। कृत्रिम अंग का नाप लेकर यहीं इसी अस्पताल में इसे सांचे में ढाला जाता है। इसके लिए विशेषज्ञ नियुक्त हैं। अस्पताल प्रबंधन नई तकनीक पर भी काम कर रहा है। प्रोस्थेटिक लेग भी जरूरतमंदों को दिए जाते हैं। नई तकनीक से युक्त बैटरी वाली ट्राई साइकिल प्रदान की जाती है।

यहां इलाज के लिए पहुंचे मरीजों और उनके परिजनों से प्राधिकरण के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने बातचीत की। इनके बीच फल, बिस्किट व टॉफी आदि का वितरण किया। झारखंड के गढ़वा से आई आस्था कुमारी का हाथ जन्म से ही नहीं था। ऑपरेशन के बाद उसे कृत्रिम हाथ लगाया गया। शिवकंद मुंगेर से पहुंची बच्ची मुस्कान कुमारी का पैर काम नहीं कर रहा था। उसका करेक्टिव ऑपरेशन किया गया है। इसी तरह देवरिया, यूपी से आई सुभाष त्रिपाठी की रीढ़ की हड्डी टेढ़ी है, वे भी यहां इलाज के लिए भर्ती हैं।

न्यास व अस्पताल की आगामी योजनाओं के बारे में बताते हुए श्री जैन ने कहा कि आगामी 30 नवंबर को यहां बड़े पैमाने पर दिव्यांग शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें 1000 से ज्यादा दिव्यांगों के भाग लेने की संभावना है। श्री जैन ने आशा जताई की प्राधिकरण यहां हर माह दिव्यांगों के लिए एक मॉकड्रिल का आयोजन किया करेगा। साथ यहां के समस्त कर्मचारियों को दिव्यांगों को आपदाओं में सुरक्षित रखने का प्रशिक्षण देगा।

प्राधिकरण के प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की आम राय थी कि सही मायने में पीड़ित मानवता को समर्पित भारत विकास एवं संजय आनंद विकलांग अस्पताल एवं रिसर्च सेंटर दिव्यांगों के जीवन में नई रोशनी बिखेर रहा है। यहां करेक्टिव सर्जरी व कृत्रिम अंग व उपकरण आदि के लिए बिहार, झारखंड और यूपी के दूर दराज के इलाके से गरीब गुरबा आते हैं। आपदाओं में घायल होने वाले व्यक्तियों के लिए यह अस्पताल काफी मददगार साबित हो सकता है। खासकर उनलोगों के लिए जिनका अंग भंग हो गया हो या विकृति का शिकार हुआ हो। प्रतिनिधिमंडल में श्री दिनेश कुमार चंद्रेश, श्री संतोष कुमार श्रीवास्तव, श्री चंद्रनाथ मिश्र, श्री दिलीप कुमार, सुश्री सुंबुल अफरोज, सुश्री मुग्धा रानी और श्री संदीप कमल शामिल थे।

(I) माध्यमिक व उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षकों का मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण

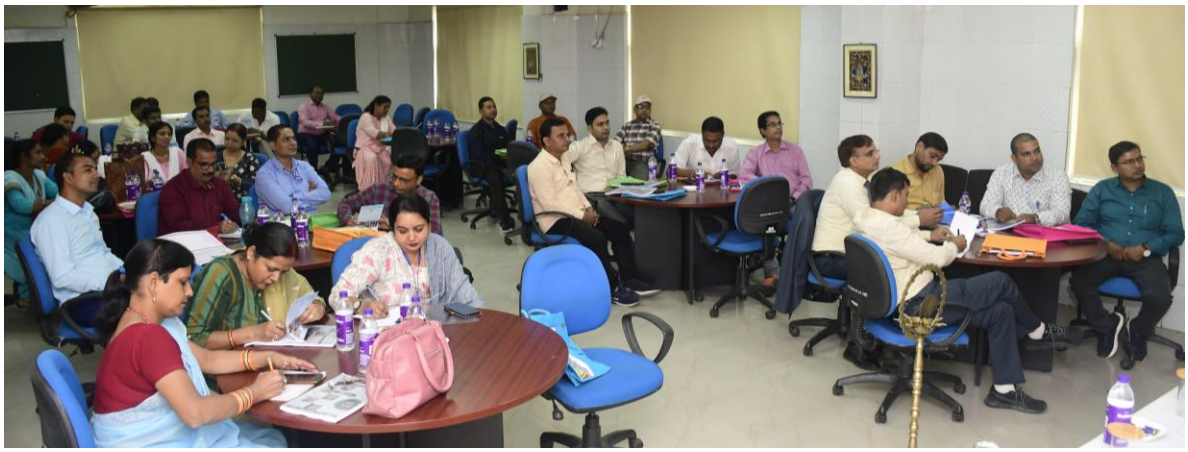

मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम का विस्तार करते हुए इसे माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में भी संचालित करने का निर्णय किया गया। इस कार्यक्रम को माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में ले जाने हेतु प्रत्येक माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालयों में दो–दो फोकल शिक्षक को प्रशिक्षित करने एवं सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम का संचालन करने के उद्देश्य से प्रत्येक प्रखण्ड से एक–एक शिक्षक को तीन दिवसीय राज्यस्तरीय मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया जा रहा है। माह नवम्बर 2023 में तीन बैचों में मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। अयोजित प्रशिक्षण में कैमूर, रोहतास, नालन्दा, गया, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद, अरवल, मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं पश्चिम चम्पारण जिले के 161 शिक्षकों को मास्टर ट्रेनर्स का प्रशिक्षण देकर प्रशिक्षित किया गया। विवरण इस प्रकार हैः–

क्र0सं0	दिनांक	प्रतिभागी जिला	प्रतिभागियों की संख्या
1	16–18 अक्टूबर, 2023	पटना, भोजपुर एवं बक्सर	48
2	1–3 नवम्बर, 2023	कैमुर, रोहतास एवं नालन्दा	50
3	7–9 नवम्बर, 2023	गया, नवादा, जहानाबाद, औरंगाबाद एवं अरवल	61
4	28–30 नवम्बर, 2023	मुजफ्फरपुर, वैशाली एवं पश्चिम चम्पारण	50

(J) आपदाओं से बचाव हेतु जिला स्तर पर तैयार हो रही मॉकड्रिल करनेवाली टीम

1. जिला स्तर पर मॉकड्रिल कोर टीम के नौ दिवसीय प्रशिक्षण के लिए प्राधिकरण द्वारा राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ), राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) एवं अग्निशाम सेवा के सहयोग से प्रशिक्षण मॉड्यूल तैयार किया गया है। इसके आधार पर नागरिक सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थान, बिहटा जिला कोर टीम का प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित हो रहा है। इस सम्बन्ध में बांका एवं गया जिला के कुल 44 प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण दिनांक 26–10–2023 से 03–11–2023 तक तथा नवादा एवं शिवहर जिला के कुल 48 प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण दिनांक 22–11–2023 से 30–11–2023 तक की अवधि के बीच संपन्न हो गया है।

   पटना में भूकम्प एवं अग्नि सुरक्षा से सम्बंधित मॉकड्रिल कार्यक्रम के आयोजन के विभिन्न पहलुओं पर विचार–विमर्श करने एवं तैयारियों हेतु दिनांक 04–10–2023 को एक बैठक हुई जिसके आलोक में जून 2024 तक प्रस्तावित कार्यकम का कैलेन्डर पर अनुमोदन हो गया है। जिसके अनुरूप माकड्रिल कार्यक्रम दिसम्बर माह से शुरू होना है। जिला स्तर पर आपदाओं से बचाव हेतु जन–जागरूकता एवं मॉकड्रिल कार्यक्रम के आयोजन के सम्बन्ध में आवश्यक विभिन्न प्रकार के इक्विपमेंट जिला स्तर से नियमानुसार निविदा या कोटेशन प्रक्रिया के माध्यम से क्रय किए जाने हैं। इस हेतु आवश्यक राशि 02,39,000/– जिलों को भेज दी गई है। शीघ्र क्रय करने से सम्बंधित स्मार पत्र पुनः जिलों को सचिव स्तर से भेजा गया है।

2. **अनुभवी राजमिस्त्रियों का प्रशिक्षण**

   बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने भूकंप के दौरान आवासीय भवनों समेत अन्य संरचनाओं को होनेवाले नुकसान को कम करने के उद्देश्य से राज्य भर में असैनिक अभियंताओं व अनुभवी राजमिस्त्रियों को बड़े पैमाने पर प्रशिक्षण देने के लक्ष्य रखा है। इसके अंतर्गत प्रथम चरण में लगभग 5000 अभियंताओं, वास्तुविदों एवं संवेदकों तथा करीब 20000 अनुभवी राजमिस्त्रियों को भूकम्परोधी निर्माण तकनीक का प्रशिक्षण दिया जा चुका है। आपदा प्रबंधन के बदले परिदृश्य में भूकंपरोधी भवनों के निर्माण को बढ़ावा देने एवं पूर्व में निर्मित मकानों की रेट्रोफिटिंग कर उन्हें भूकंपरोधी बनाने की दिशा में प्राधिकरण कार्य कर रहा है। अनुभवी राजमिस्त्रियों के प्रशिक्षण कार्यक्रम को बेहतर और प्रभावी बनाने के उद्देश्य से भारत सरकार की संस्था नेशनल स्किल डेवलेपमेंट कौंसिल (एनएसडीसी) के साथ प्रस्तावित एमओयू के सन्दर्भ में संशोधित ड्राफ्ट दुबारा प्राधिकरण को प्राप्त हुआ जिस पर फिर से विधिक परामर्श लिया गया। माननीय उपाध्यक्ष के निदेशानुसार इसे अन्तिम रूप देने हेतु एनएसडीसी को भेज दिया गया है।

3. **बी एस टी एन (बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क) की स्थापना**

   बिहार सिस्मिक टेलीमेट्री नेटवर्क (बीएसटीएन) की स्थापना से संबंधित उपकरणों की प्राप्ति हेतु बिहार मौसम सेवा केंद्र द्वारा तैयार किये गए आरएफपी (प्रस्ताव के लिए अनुरोध) को पुनरीक्षण व संपुष्टि (वेट्टिंग) हेतु विशेषज्ञों को भेजा गया था। उनसे प्राप्त सुझाव के शामिल करते हुए संशोधित आरएफपी बिहार मौसम सेवा केंद्र से प्राप्त हुआ जिसे अग्रेतर कार्यवाही हेतु सचिव को पृष्ठांकित किया गया। बीएसटीएन के भवन निर्माण में हुई त्रुटि एवं जल रिसाव को ठीक करने के बिंदु पर आवश्यक निदेश भवन निर्माण निगम को दिया गया है।

4. भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र

राजकीय पॉलिटेक्निक, दरभंगा में निर्माणाधीन भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र के निर्माण का कार्य लगभग पूर्ण हो गया है। प्राचार्य द्वारा औपचारिक उद्घाटन का अनुरोध किया गया है, जिसके आलोक में तिथि निर्धारण हेतु प्रस्ताव समर्पित है। इधर, भूकंप सुरक्षा क्लिनिक सह परामर्श केंद्र को मल्टी डिजास्टर सेफ्टी क्लिनिक के रूप में अपग्रेड करने हेतु एनआईटी, पटना के प्रो० ए. के. सिन्हा द्वारा कांसेप्ट नोट समर्पित किया गया है। उनके द्वारा विस्तृत परियोजना प्रस्ताव भी तैयार किया जा रहा है।

5. भूकम्प सुरक्षा सप्ताह

भूकम्प सुरक्षा सप्ताह 2024 से सम्बंधित विविध गतिविधियों का प्रस्ताव माननीय उपाध्यक्ष व सदस्य को समर्पित किया गया है।

6. विविध

सोनपुर मेला में प्राधिकरण के पैवेलियन में भूकम्प सुरक्षित निर्माण सम्बन्धी स्टॉल पर 8 अभियंता प्रशिक्षकों की प्रतिनियुक्ति की गयी है। इस स्टॉल पर मेलार्थियों का उत्साह देखा जा रहा है।

(K) पेंडेंट के निर्माण का कार्य प्रगति पर

1. भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), पटना के साथ संयुक्त रूप से प्रोजेक्ट "Facilitating adoption of IoT –Edge and AI based technologies for natural disaster management in Bihar" सम्बन्धी एमओयू पर हस्ताक्षरित हुआ है। आईआईटी को एमओयू के अनुसार प्रथम किश्त की राशि उपलब्ध करा दी गई है और उन्होने प्रोजेक्ट के अंतर्गत जूनियर रिसर्च फेलो तथा अन्य कर्मियों की बहाली शुरू कर दी है और कार्य प्रगति पर है। आईआईटी के विशेषज्ञों द्वारा वज्रपात से सुरक्षा हेतु पेंडेंट का निर्माण काय प्रगति पर है। 10,000 पेंडेंट के निर्माण हेतु जेम पोर्टल पर कंपोनेंट्स की खरीदारी हेतु टेंडर दिया गया है।

कार्यशाला

आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के पेंडेंट से समय पर मिलेगी वज्रपात की जानकारी, आईआईटी पटना को दी गई जिम्मेवारी

वज्रपात की सूचना को आईआईटी बना रहा पेंडेंट

पटना, हिन्दुस्तान ब्यूरो। वज्रपात से लोगों को अलर्ट करने के लिए आपदा प्रबंधन प्राधिकरण पेंडेंट बना रहा है। इसकी जिम्मेवारी आईआईटी पटना को दी गई है। प्राधिकरण की ओर से आयोजित प्रशिक्षण कार्यशाला में आईआईटी के प्रोफेसर डॉ. राजीव मिश्रा ने यह जानकारी दी। ज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में उन्होंने बताया कि यह वियरेबल इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होगा। यानी शरीर में लॉकेट की तरह इसे किसान या मजदूर पहन सकते हैं। इसकी खासियत है कि यह इलेक्ट्रो थर्मल बॉडी हीट से चार्ज होगा। यानी चार्ज करने के लिए अलग से बैटरी या बिजली की जरूरत नहीं पड़ेगी। आईआईटी पटना में डिवाइस की टेस्टिंग चल रही है। ट्रायल के लिए अभी चार से पांच डिवाइस ही तैयार किया जा रहा है। दिसंबर के पहले हफ्ते में ट्रायल के लिए इसे आपदा प्रबंधन प्राधिकरण को सौंप दिया जाएगा। मौसम संबंधी सभी तरह की चेतावनी की स्थिति पेंडेंट से अलर्ट जारी किया जा सकता है। वज्रपात के अलावा तेज बारिश, आंधी-तूफान के समय भी समय से आधा घंटा पूर्व अलर्ट जारी किया जाएगा। कार्यशाला में डॉ. राजीव मिश्रा ने बताया कि वर्तमान समय में बाजार में इस तरह की कोई डिवाइस मौजूद नहीं है।

ज्ञान भवन में मंगलवार को आयोजित कार्यशाला में बचाव के तरीके बताते जवान।

आपदा से पहले सजग करें

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की कार्यशाला में विशेषज्ञों ने आपदा के समय रिपोर्टिंग के टिप्स दिए। आपदा पूर्व तैयारी व प्रबंधन विषय पर आयोजित कार्यशाला में एकेयू की सहायक अध्यापक मनीषा प्रकाश ने कहा कि आपदा से संबंधित भ्रामक जानकारी के प्रति पत्रकारों का सजग रहना होगा। प्राधिकरण सदस्य मनीष कुमार वर्मा ने कहा कि आपदा से पूर्व की तैयारी जरूरी है। सदस्य पीएन राय ने प्राधिकरण की मुहिम में साथ आने के लिए मीडिया से अपील की। मौके पर उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत, वरिष्ठ पत्रकार पुष्यमित्र, मीनेंद्र कुमार और संदीप कमल ने भी विचार रखे।

2. राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी), पटना द्वारा "Vulnerability Assessment and Remedial Measures for Protected Monuments in Bihar" एमओयू पर दस्तखत होने के उपरांत कार्य प्रगति पर है। एमओयू के अनुसार इन्सेप्शन रिपोर्ट एनआईटी द्वारा प्राधिकरण को सौंप दिया गया है। साथ ही प्रोजेक्ट सम्बन्धी जूनियर रिसर्च फेलो की नियुक्ति की प्रक्रिया पूर्ण हो चुकी है। उनके द्वारा प्रथम किश्त की राशि की मांग की गई, जिसके तहत रुपये 2,77,900.00 का भुगतान प्राधिकरण द्वारा कर दिया गया है।

3. www.bsdma.org वेबसाइट को अद्यतन करने का कार्य प्रगति पर है और आवश्यक जानकारी के साथ प्राधिकरण के कार्यों का प्रदर्शन बेहतर तरीके से करने का प्रयास हो रहा है। वेबसाइट पर अंग्रेजी , हिंदी और उर्दू में जानकारी प्राप्त करने के भाषा विकल्प दिए गए हैं।

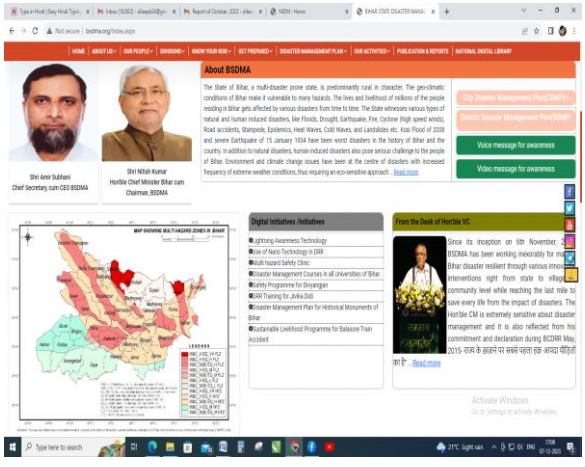

(L) मदरसों के 117 फोकल शिक्षकों को आपदा प्रबंधन का प्रशिक्षण

बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के तत्वावधान में मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत नवंबर माह में तीन बैच में मदरसों के कुल 117 फोकल शिक्षकों को प्रशिक्षित किया गया। राज्यस्तरीय दोदिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के 12वें बैच (27 प्रतिभागी) का आगाज दिनांक 10 नवंबर को पटना के फ्रेजर रोड स्थित यूथ हॉस्टल में हुआ। 13 वां बैच (44 प्रतिभागी) 21 व 22 नवंबर को संपन्न हुआ। इस माह के आखिरी 14वें बैच का प्रशिक्षण 24 व 25 नवंबर को संपन्न हुआ जिसमें कुल 47 प्रतिभागियों ने भाग लिया। राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम ने इन फोकल शिक्षकों को आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन विषय पर प्रशिक्षित किया। ये फोकल शिक्षक यहां प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात अपने अपने मदरसों में अन्य शिक्षकों तथा बच्चों को प्रशिक्षित करेंगे तथा प्रत्येक शनिवार के दिन सुरक्षित शनिवार कार्यक्रम को संचालित करेंगे। मदरसा बोर्ड की ओर से इन्हें सर्टिफिकेट प्रदान किया गया।

मदरसा मास्टर प्रशिक्षकों के रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत अभी तक कुल 14 प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हो चुके हैं। ये कार्यक्रम मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के तहत किये जा रहे हैं जिससे मदरसों में आपदा प्रबंधन हेतु एक सोच विकसित होगी तथा शिक्षक एवं विद्यार्थी विभिन्न आपदाओं से बचाव के उपाय सीख पाएंगे। साथ ही सुरक्षित शनिवार सम्बन्धी विभिन्न आपदाओं के वार्षिक चक्र को समझते हुए उनसे बचने के उपाय के जानकारी प्राप्त करेंगे।

(M) कम्युनिटी रेडियो के जरिये जागरूकता अभियान

रेडियो जनसंचार का सबसे लोकप्रिय, किफायती और सुलभ माध्यम है। आपदा जागरूकता संदेशों को जन–जन तक पहुंचाने में कम्युनिटी रेडियो कारगर माध्यम साबित हो सकते हैं। इसी सोच के साथ बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने केंद्रीय सूचना व प्रसारण मंत्रालय से लाइसेंस प्राप्त राज्य के नौ कम्युनिटी रेडियो ब्रॉडकास्टर को अपने जन जागरूकता अभियान का हिस्सा बनाया। इन रेडियो की पहुंच दूर दराज के ग्रामीण इलाकों में है। इनमें से अधिकतर स्थानीय भाषाओं में कार्यक्रम प्रसारित करते हैं।

नवंबर माह में पर्व–त्योहारों और खासकर दीपावली और छठ को देखते हुए भगदड़ व अन्य मानवजनित आपदाओं की रोकथाम के उद्देश्य से जागरूकता संदेशों का प्रसारण 15 से 19 नवंबर के बीच कम्युनिटी रेडियो की मार्फत किया गया। इसके लिए विशेष तौर पर पुरुष और महिला की आवाज में लोकप्रिय आरजे से स्थानीय भाषाओं में जिंगल्स बनवाए गए। कुल नौ ब्रॉडकास्टर को इस अभियान में शामिल किया गया, जो आठ जिले में फैले हुए हैं। एक कम्युनिटी रेडियो की प्रसारण क्षमता का दायरा लगभग 20 किलोमीटर है। कम्युनिटी रेडियो ब्रॉडकास्टर, जिन्होंने जागरूकता संदेशों के प्रसारण का कार्य किया :

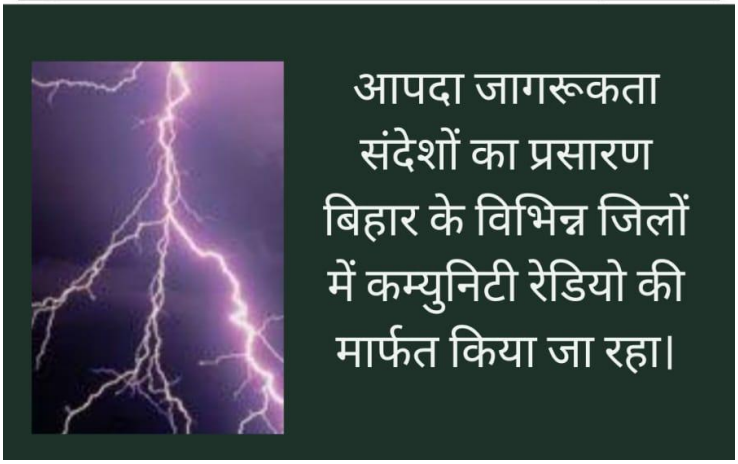

क्र.सं.	नाम	प्रसारण क्षेत्र
1.	एफएम ग्रीन	सबौर
2.	रेडियो मयूर	सारण
3.	रेडियो वर्षा	गोपालगंज
4.	रेडियो मधुबनी	फुलपरास
5.	रेडियो रिमझिम	गोपालगंज
6.	रेडियो एक्टिव	भागलपुर
7.	रेडियो स्नेही	सिवान
8.	रेडियो गूंज	वैशाली
9.	रेडियो रिसर्च	मुंगेर

(N) आपदा प्रबंधन में इंटरनेट और सोशल मीडिया की बड़ी भूमिका

'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में एकेयू की प्रोफेसर व पूर्व पत्रकार डॉ. मनीषा ने रखे अपने विचार

'पत्रकारिता को जल्दबाजी में लिखा गया इतिहास भी कहा जाता है। ऐसे में जब जल्दबाजी में आप कुछ लिखेंगे, तो जाहिर है अच्छे से पड़ताल नहीं हो पाएगी। कई बार मीडिया सही खबरों को प्रकाशित/प्रसारित करने से चूक जाती है। मीडिया की उसे सूत्र (सोर्स) तक पहुंच ही नहीं हो पाती, जहां से सही–सही पुख्ता जानकारी मिल सके। आपदा के वक्त में कोई भी गलत सूचना से पहले से व्याप्त भय का वातावरण और ज्यादा भयंकर रूप ले लेगा, इसमें कोई दो राय नहीं। इस पर गंभीर मंथन की जरूरत है।' उक्त बातें दिनांक 6 नवंबर को प्राधिकरण के सभागार में आयोजित 'इनसे मिलिए' कार्यक्रम में स्कूल ऑफ जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, आर्यभट्ट ज्ञान विश्वविद्यालय, (एकेयू) पटना की सहायक प्राध्यापक व पूर्व पत्रकार डॉ. मनीषा प्रकाश ने कही। वे प्राधिकरणकर्मियों के बीच 'आपदा प्रबंधन में मीडिया की भूमिका' विषय पर बोल रही थीं। इस अवसर पर प्राधिकरण के माननीय उपाध्यक्ष डॉ. उदय कांत, माननीय सदस्यद्वय श्री पी.एन. राय और श्री कौशल किशोर मिश्र भी उपस्थित थे। सचिव श्री मीनेंद्र कुमार (भा.प्र.से.) ने बुके देकर अतिथि का स्वागत किया।

पावर प्वायंट प्रजेंटेशन (पीपीटी) के जरिये अपनी बात रखते हुए डॉ. मनीषा ने कहा कि यहां प्राधिकरण के दफ्तर में आकर मुझे बेहद खुशी हो रही है। आज मैं एक ऐसे संस्थान के कर्मियों के समक्ष अपनी बात रख पा रही हूं, जो आपदाओं में लोगों के साथ खड़े होते हैं। जीवन रक्षा जैसा महान कार्य करते हैं। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक का योगदान समाज में सर्वोपरि होता है, इसके ऊपर या आगे ऐसा कोई पेशा या नौकरी शायद नहीं है जिसमें काम करते हुए आपको सर्वाधिक संतुष्टि मिलती है। आप व्यक्तित्व का निर्माण कर रहे होते हैं। एक संपूर्ण व्यक्ति का। एक शिक्षक की भूमिका का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि उसकी गलत शिक्षा की वजह से व्यक्तित्व का विध्वंस भी हो सकता है। गलत शिक्षा से पूरी पीढ़ी खराब हो सकती है, बर्बाद हो सकती है। बड़ी–बड़ी डिग्रियां लेकर भी अगर आप समाज के काम नहीं आ रहे हैं, समाज को कुछ लौटा नहीं पा रहे हैं, तो यह व्यर्थ है।

आपदा के दौरान मीडिया की भूमिका की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि आपदा में मीडिया का बहुत बड़ा रोल है। लेकिन सवाल उठता है कि क्या मीडिया आज अपना काम सही तरीके से कर पा रही है? आपदा प्रबंधन में इंटरनेट और सोशल मीडिया की भी बहुत बड़ी भूमिका हो सकती है। इसका गहराई से अध्ययन किया जाना चाहिए। आपदा पूर्व तैयारी से लेकर आपदा बाद के कार्यों में इससे बहुत मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि आपदा पूर्व तैयारियां बहुत मायने रखती हैं लेकिन बाद की क्या तैयारी होनी चाहिए, इस पर कम सोचा जाता है। वह तबका, जो सरकार की पहुंच से किसी ने किसी वजह से छूट

गया, वहां तक, उस अंतिम व्यक्ति तक कैसे पहुंचा जाए, इस पर विचार करने की जरूरत है। यहीं पर मीडिया की प्रमुख भूमिका नजर आती है।

अपने अनुभवों को साझा करते हुए डॉ. मनीषा ने कहा कि हम आमतौर पर यह सोचते हैं कि गांव में बैठे किसी व्यक्ति को किसी आपदा से बचने के तौर तरीकों के बारे में कुछ पता नहीं होगा। यह गलत है। उस व्यक्ति के पास भी कम ज्ञान नहीं है। यह ज्ञान उसने अपने पूर्वजों–पुरखों के अनुभव से अर्जित किया है। हजारों सालों का हमारा इतिहास है। हर गांव जानता है कि किसी भी आपदा से समुदाय स्तर पर किस तरह से लड़ाई लड़नी है। हमें इन गांवों में, ऐसे समुदायों में जाकर उनकी सकारात्मक बातों–प्रयासों को सामने लाना चाहिए। समस्याएं हजार हैं, तो उसका निदान भी है। सॉल्यूशन जर्नलिज्म का नया कॉन्सेप्ट इसी वजह से लोकप्रिय हो रहा है। धीरे–धीरे भारत में भी इस पर बहुत काम होने लगा है।

डॉ. प्रकाश ने कहा कि मुख्यधारा की मीडिया में आपदा प्रबंधन की खबरें पहले पेज की खबर के रूप में ट्रीट की जाए, प्रमुखता से प्रकाशित की जाए, इस पर कार्य करने की आवश्यकता है। पत्रकारों की समझ–सोच विकसित करने की जरूरत है। कम्युनिटी रेडियो के जरिये हम आपदाओं के प्रति बड़े पैमाने पर जन जागरूकता के कार्यक्रम चला सकते हैं। आपदा के दौरान भी राहत व बचाव कार्य में रेडियो की बड़ी महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है। वर्ष–2008 की कोसी की बाढ़ को याद कीजिए। बाढ़ के दौरान लोगों को खतरे वाली जगह से सुरक्षित स्थान तक पहुंचाने में रेडियो की बड़ी भूमिका सामने आई थी। उन्होंने कहा कि मास मीडिया में पहुंच बढ़ाने के उपायों पर विचार करना चाहिए। आम लोगों तक कैसे आपदा पूर्व चेतावनी को हम सही और सटीक तौर पर भेज सकते हैं। इस पर विचार करने की जरूरत है।

नवंबर माह में 'हिंदी हैं हम' का आयोजन

हर माह की 14 तारीख को हिंदी दिवस मनाने के निर्देश के आलोक में नवंबर, 2023 महीने में हिंदी दिवस कार्यक्रम 'हिंदी हैं हम' 14 नवंबर को अपराह्न 3.30 बजे से आयोजित किया गया। 14 नवंबर, मंगलवार को आयोजित किया गया। प्राधिकरण कर्मियों के बीच सामान्य ज्ञान पर आधारित लेखन कौशल प्रतियोगिता आयोजित की गई। **विषय रखा गया – कोरोना बाद बच्चों के समक्ष उत्पन्न स्वास्थ्य व शिक्षा से जुड़ी चिंताएं।** प्रतियोगिता के विजेताओं को सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इसका उद्देश्य कार्यालय में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग और शुद्ध हिंदी लिखने और बोलने के लिए कर्मियों को प्रेरित करना है।

(O) अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम

'अस्पताल अग्नि सुरक्षा कार्यक्रम' के तहत '16 बिंदु अग्नि प्रवणता सूचकांक' के आधार पर नवंबर माह में राज्य के कुल 268 अस्पतालों का निरीक्षण किया गया जिसमें 15 सरकारी एवं 253 निजी अस्पताल शामिल हैं। इन अस्पतालों का निरीक्षण प्राधिकरण के दिशानिर्देश में अग्निशाम सेवाएं के अधिकारियों द्वारा किया गया, जिसका विवरण निम्नवत हैः–

Month November -23, Update Status of Covid & Non-Covid Hospitals Fire Audit report Districtwise							
Sr. No	District	Covid Hospital			Non-Covid Hospital		
		Governmental	Private	Total	Governmental	Private	Total
1	Patna	0	0	0	0	44	44
2	Nalanda	0	0	0	0	8	8
3	Rohtas	0	0	0	0	6	6
4	Bhabhua	0	0	0	1	12	13
5	Bhojpur	0	0	0	0	2	2
6	Buxar	0	0	0	0	2	2
7	Gaya	0	0	0	0	10	10
8	Jehanabad	0	0	0	0	10	10
9	Arwal	0	0	0	0	2	2
10	Nawada	0	0	0	0	5	5
11	Aurangabad	0	0	0	1	8	9
12	Chhapra	0	0	0	0	6	6
13	Siwan	0	0	0	0	8	8
14	Gopalganj	0	0	0	0	6	6
15	Muzaffarpur	0	0	0	0	20	20
16	Sitamarhi	0	0	0	0	9	9
17	Sheohar	0	0	0	0	0	0
18	Bettiah	0	0	0	0	6	6
19	Bagaha	0	0	0	0	1	1
20	Motihari	0	0	0	0	16	16
21	Vaishali	0	0	0	0	11	11
22	Darbhanga	0	0	0	0	16	16
23	Madhubani	0	0	0	0	7	7
24	Samastipur	0	0	0	0	1	1
25	Saharasa	0	0	0	2	3	5
26	Supaul	0	0	0	0	3	3
27	Madhepura	0	0	0	0	0	0
28	Purnea	0	1	1	1	8	9
29	Araria	0	0	0	1	5	6
30	Kishanganj	0	0	0	0	6	6
31	Katihar	0	0	0	0	3	3
32	Bhagalpur	0	0	0	8	11	19
33	Naugachhia	0	0	0	0	1	1
34	Banka	0	0	0	0	0	0
35	Munger	0	0	0	1	2	3
36	Lakhisarai	0	0	0	0	3	3
37	Shekhpura	0	0	0	0	6	6
38	Jamui	0	0	0	0	4	4
39	Khagaria	0	0	0	0	6	6
40	Begusarai	0	2	2	0	17	17
Total		0	3	3	15	250	265

इस प्रकार राज्य के अब तक कुल 11,319 अस्पतालों का अग्नि प्रवणता सूचकांक के आधार पर निरीक्षण किया जा चुका है।

(P) नवंबर माह की व्यय विवरणी (रुपये में)

व्यय विवरणी (नवम्बर - 2023)		
	31-06 (गैर-वेतन)	
1	व्यावसायिक एवं विशेष सेवाएं	12,66,193
2	कार्यालय व्यय	6,41,499
3	जन जागरुकता	2,44,262
4	सुरक्षित तैराकी	2,03,500
5	मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम	27,72,477
6	जीविका दीदी प्रशिक्षण	3,25,390
7	राजमिस्त्री प्रशिक्षण	7,000
8	कार्यशाला	35,000
9	गर्म हवा कार्य-योजना	4,67,280
10	स्मारक-संरक्षण	2,77,900
11	सोनपुर मेला 2023	10,405
12	यात्रा-भत्ता	18,219
13	विद्युत्	7,146
14	चिकित्सा	8,889
15	दूरभाष	21,757
16	**31-04** (वेतन)	25,93,913
17	**31-05** (परिसंपत्तियों का निर्माण)	27,58,400
18	**“अपस्केलींग ऑफ़ आपदा मित्र”**	7,77,240

(Q) जन–जागरूकता के लिए मास मैसेजिंग

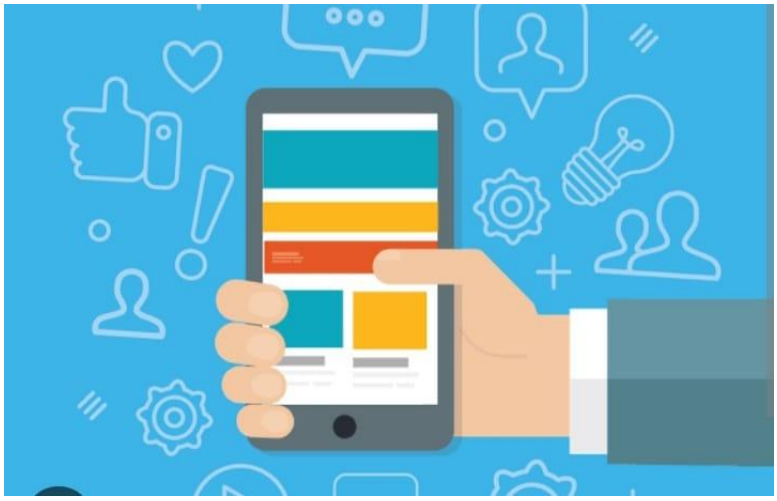

प्राकृतिक आपदाओं को हम पूरी तरह रोक तो नहीं सकते, परंतु बेहतर आपदा प्रबंधन एवं इसके सुदृढ़ीकरण से नुकसान को कम कर सकते हैं। इसके लिए आमलोगों को आपदा के खतरों से अवगत कराना जरूरी है। इसे ध्यान में रख प्राधिकरण की ओर से विभिन्न आपदाओं की स्थिति में 'क्या करें, क्या न करें' की जानकारी एसएमएस के माध्यम से लोगों को दी जाती है।

प्राधिकरण में जिला पदाधिकारी (38), एडीएम (38), बीडीओ (534), सीओ (534), प्रशिक्षित फोकल टीचर (1542), नाव एवं नाव मालिक (3820), पंचायत जनप्रतिनिधि (चयनित–207429, गैर चयनित–435699), जीविका दीदी– (148890), आशा कार्यकर्ता (77542) व आंगनबाड़ी सेविका (45946) के नंबर उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त प्राधिकरण द्वारा प्रशिक्षित अभियंताओं एवं राजमिस्त्रियों के नंबर भी मौजूद हैं। इस तरह लगभग 36 लाख नंबर पर सामूहिक संदेश संप्रेषण (मास मैसेजिंग) नियमित रूप से किए जाते हैं। अक्टूबर, 2023 में कुल 3369312 मास मैसेजिंग किए गए। इसके जरिये सुरक्षित दीपावली और सुरक्षित छठ पूजा की जानकारी लोगों को दी गई।

17 लाख से ज्यादा प्री रिकॉर्डेड वॉयस मैसेज भेजे : इसके साथ ही नवंबर महीने में राज्य में बीएसएनएल के करीब 10 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं को 1786379 बार आउटबाउंड डायलर (ओबीडी) के जरिये फोन कॉल करके प्री रिकॉर्डेड वॉयस मैसेज भेजे गए। इसमें आपदाओं से बचाव की जानकारी दी गई। 11 नवंबर से 20 नवंबर के बीच ये मैसेज प्रसारित किए गए।